SECOND TERMINAL EVALUATION 2024 - 25 A

STD. IX HINDI Answer key

1. घर के सामने सनोवर का एक पेड है। उसकी शाखाओं में हर सुबह दो पक्षी गाते हैं और रात में उसकी शाखाओं के बीच से एक चमकीला तारा दिखाई देता है।

2. बहन खुशी से बोलेगी।

3. **पटकथा**

स्थान - गाँव का रास्ता।

समय - शाम के 5 बजे।

पात्र - 1. भाई, 13 साल का लडका, कुर्ता और पतलून पहना है।
2. बहन, 11 साल की लडकी, फ्रॉक पहनी है।

दृश्य का विवरण - दो बच्चे अपने घर की तलाश में एक साथ चल रहे हैं। लडके की पीठ पर थैली है। लडकी भाई से अपनी संदेह प्रकट करती है। भाई उसको हिम्मत बँधाता है।

संवाद

लडकी - भाई, लगता है हम कभी घर नहीं पहुँच पाएँगे।

लडका - चलो, हम उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर चलते हैं। मुझे उम्मीद है कि हम ज़रूर सनोबर के पेड और तारे के पास पहुँच पाएँगे। उस पेड के बीच से तारा दिखाई देगा तो समझना कि घर आ गया है।

(रास्ते के किनारे एक बलूत का पेड खडा है। लडका उसके पास जाकर उससे एक टहनी तोड लेता है।)

अथवा

पोस्टर - युद्ध के विरुद्ध

युद्ध मानव जाति केलिए विनाशकारी है।

युद्ध से विकास नहीं ...
सर्वनाश ही होता है।

युद्ध छोडो ...
शांति से रहो।

हिरोशिमा दिवस - अगस्त 6

युद्ध से दूर रहें ... मानवराशी को बचाएँ।

- हिंदी मंच, जी एच एस एस, परवूर

4. मुझे

5. घडी चोरी चली गई।
गांधीजी की घडी चोरी चली गई।
गांधीजी की **पुरानी** घडी चोरी चली गई।
रेलगाडी में गांधीजी की पुरानी घडी चोरी चली गई।

6. **गांधीजी की डायरी**

तारीख : ------------------

आज मेरेलिए बहुत अफसोस का दिन था। मुझे वायसरॉय ने चाय पर बुलाया था। मैं वायसरॉय भवन जा रहा था। रास्ते में रेलगाडी में किसी ने मेरी घडी चुराकर ले गया। वह बहुत पुरानी घडी थी और मुझे बहुत प्यारी थी। उस घडी को मैं अपने धोती में कमर से टांगे रखता था और सोने से पहले रोज़ नियम से उसमें चाबी भरता था। पता नहीं उस चोर को मेरी घडी से क्या फायदा है ? घडी खोने के कारण वायसरॉय के साथ के चर्चा में मुझे खास रुचि रख न सकी। उन्हें याद दिलायी कि इस ब्रिटिश शासन में मेरी घडी तक सुरक्षित नहीं है।

7. कोमल

8. हवा फूलों की गंध, मधुमक्खी फूलों से मधु चाहती है। लेकिन प्लास्टिक के फूलों से यह संभव नहीं है। इसलिए वे असंतुष्ट हैं।

9. पेले सांतोस क्लब का खिलाडी था।

10. पेले ने अपनी मेहनत, लगन, आकर्षक व्यक्तित्व, मुस्कान आदि से लोगों के दिल का राजा बन गए।

11. **पेले की जीवनी**

पेले : फुटबॉल के इतिहास के महान खिलाडी

एडसन अरांटिस डो नासिमेंटो, जिन्हें दुनिया पेले के नाम से जानती है। वे बीसवीं सदी के सबसे महान फुटबॉल खिलाडियों में से एक थे। उनका जन्म 23 अक्तूबर 1940 को ब्राज़ील के ट्रेस कोराकोस में हुआ। घर की गरीबी के कारण उन्होंने स्कूली शिक्षा नहीं पाई है। कई कठिनाइयों को सामने करते हुए वे आगे बढे। पेले ने अपने करियर की शुरुआत ब्राज़ील के सांतोस क्लब से की थी। 1958, 1962 और 1970 में उन्होंने ब्राज़ील टीम के साथ तीन विश्व कप जीते। पेले ने अपने करियर में 1279 गोल किए। उन्होंने अपने बेहतरीन खेल से लोगों के दिल में जगह बना ली। 29 दिसंबर 2022 को 82 साल की उम्र में उनका निधन हुआ। फीफा ने उन्हें 20 वीं सदी के सर्वश्रेष्ठ खिलाडी के रूप में सम्मानित किया।

अथवा

सही मिलान

फुटबॉल के दिल के राजा के रूप में	पेले प्रसिद्ध हो गए।
पेले की हुनर की तरह	मुसकान भी मशहूर थी।
सांतोस केलिए पेले	नुमाइशी मैच खेलते थे।
गैरिंचा ने अपनी प्रतिभा	शराब पीकर बिगाड दी।

12. नटखट का देखभाल करे।

13. **बातचीत (झटपट माँ से नटखट की शिकायत करना)**

झटपट - अरे माँ, ज़रा सुनो।
माँ - क्या बात है बेटा, बताओ ?
झटपट - स्कूल जाते समय रास्ते में नटखट बहुत परेशान करता है।
माँ - वह कैसे ?
झटपट - रास्ते में मिलते सब चीज़ देखकर वहीं रुक जाता है।
माँ - वह छोटा है न !
झटपट - तो क्या, स्कूल जाने में देरी हो जाती है।
माँ - अरे बेटा, बडे को तो छोटे का ध्यान रखना ही पडता है।
झटपट - ठीक है माँ।

14. मुक्तिबोध

15. पृथ्वी के गोल चारों ओर से धरातल पर
हो जनता का दल एक, एक पक्ष।

SREEJITH. P. KOVOOR, VARKALA. SCRT45

16. **कवितांश का आशय**

प्रस्तुत पंक्तियाँ हिंदी के प्रमुख कवि मुक्तिबोध की ‘ जन-जन का चेहरा एक ’ शीर्षक कविता से हैं । इसमें कवि ने दुनिया के हर इंसान के बीच समानता दर्शाया है । कवि के अनुसार दुनिया के हर कोने के आम जनता की समस्याएँ समान हैं और इनके विरुद्ध उनका संघर्ष भी समान है ।

कवि कहते हैं कि दुनिया भर में शोषण के विरुद्ध लडनेवाले सब एक दल में है, पक्ष में है । शोषित जनता के मन में उदित सपनों का सितारा भी एक है । शोषण का अंत ही उसका लक्ष्य है । यहाँ सितारा शोषण से पीडित आम जनता के मुक्ति, क्रांति भावना का प्रतीक है ।

गंगा, इरावती, मिनाम, नील, आमेज़न, मिसौरी आदि दुनिया के तरह-तरह प्रदेशों से होकर बहनेवाली नदियाँ हैं । कवि कहते हैं कि इन समस्त नदियों की धारा, जीवन का प्रवाह भी समान ही है । ये नदियाँ मनुष्य को निरंतर बढते रहने की प्रेरणा देती हैं ।

इस तरह कविता सभी इंसानों के बीच एकता और साझे संघर्ष का संदेश देती है । यह कविता जनता के मन में उत्साह एवं प्रेरणा जगाती है । कवित बहुत सुंदर और आकर्षक बनी है । कविता की भाषा बहुत सरल है । पढने और समझने में आसान भी है ।

17. सादगी का

18. **लेडी माउण्टबेटन का पत्र**

स्थान : ....
तारीख : ....

प्रिय सहेली,

तुम कैसी हो ? आशा है तुम सकुशल हो । एक खास बात बताने केलिए मैं यह पत्र भेज रही हूँ ।

कल हमारे भवन में गांधीजी को चाय पार्टी केलिए बुलाया था । रूम कूलर, बढिया खाना आदि का प्रबंध किया था । लेकिन उन्होंने कोई भी सुविधा स्वीकार नहीं की । चर्चा के समय अनमनापन दिखाते रहे । अपनी घडी खोने की बात को लेकर वे अफसोस भी थे । पति के साथ बातें करने में उन्होंने कोई खास रुचि नहीं ली । नाश्ते की बारी आई तो उन्होंने कहा, आप लोग लीजिए । उन्होंने अपना खाना साथ लाया है । इतनी हिम्मत और किसी में भी मैंने नहीं देखा । वे नाश्ते केलिए बकरी के दूध से बना दही लाया था । वे जिस चमच से खाते थे वह टूटा हुआ था, लेकिन उसके टूटे हत्थे पर लकडी की खपच्ची धागे से बाँध दी गई थी । हम गांधीजी को देखते रह गए ।

मुझे अभी तक समझ में नहीं आया कि एक छोटी-सी पुरानी घडी के लिए यह आदमी वायसरॉय की दावत जैसे ज़िंदगी के सबसे शानदार मौके का मज़ा किरकिरा क्यों कर रहा है ? कौन जाने, उनका उद्देश्य क्या था ? जो भी हो वे एक अजीब आदमी हैं ।

घर में माता-पिता कैसे हैं ? उनको मेरा प्रणाम कहना । जवाब की प्रतीक्षा में,

तुम्हारी सहेली
(हस्ताक्षर)
नाम

सेवा में,
नाम,
पता ।

अथवा

चार सही प्रस्ताव

* गांधीजी ने बडे अनमनेपन से माउण्टबेटन की बातें सुनीं ।
* गांधीजी को अपनी पुरानी घडी बहुत पसंद थी ।
* गांधीजी के स्वागत केलिए बडी तैयारियाँ की गईं ।
* गांधीजी अपना नाश्ता साथ लाए थे ।